



विफलता का उद्धार करना

Redeeming Failure

उद्देश्य (OBJECTIVE)

हम सभी जीवन और सेवकाई में **विफलता** का सामना करते हैं।

यह प्रशिक्षण यह सिखाता है कि परमेश्वर किस प्रकार हमारी **कमजोरियों और गिरावटों** को भी अपनी **महिमा के लिए उपयोग** कर सकता है।

विफलता अंत नहीं है — यह **परिवर्तन का अवसर** बन सकता है।

यीशु पतरस जैसे लोगों को पुनर्स्थापित करके, उन्हें अधिक गहराई से उपयोग करते हैं।

सारांश (OVERVIEW)

- मसीही जीवन और सेवकाई में विफलता सामान्य है
 - परमेश्वर हमारी विफलता का **उद्धार** कर सकता है और उसे **साक्षी और सेवा** का माध्यम बना सकता है
 - पतरस की **गिरावट और बहाली** (लूका 22, यूहन्ना 21) इसका एक प्रमुख उदाहरण है
 - विफलता को परमेश्वर कैसे उपयोग करता है:
 - **विनम्रता सिखाने** के लिए
 - **अन्य लोगों के लिए करुणा** विकसित करने के लिए
 - हमें **उसकी अनुग्रह की गहराई** दिखाने के लिए
 - हम विफलता से भागते नहीं, बल्कि उसे परमेश्वर के सामने लाकर **रूपांतरण** का अनुभव करते हैं
-

संदर्भित बाइबल वचन (VERSES REFERENCED)

- लूका 22:31-34
 - यूहन्ना 21:15-17
 - रोमियों 8:28
-

अध्ययन के लिए प्रश्न (QUESTIONS FOR FURTHER STUDY)

1. क्या आपके जीवन में कोई ऐसी विफलता रही है जिससे परमेश्वर ने आपको सिखाया और बहाल किया?

2. विफलता के समय आप परमेश्वर की करुणा और अनुग्रह को कैसे अनुभव कर सकते हैं?

3. आप दूसरों की विफलताओं पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं? क्या आप उन्हें यीशु की तरह पुनःस्थापित करते हैं?

4. आपने किसी और की विफलता को उद्धार में बदलते हुए देखा है? वह कैसे हुआ?

अधिक अध्ययन के लिए वचन पद (SCRIPTURE FOR FURTHER STUDY)

- 2 कुरिन्थियों 12:9-10
- भजन संहिता 51
- मीकाह 7:8-9